शंकर शिव शम्भु साधु सन्तन सुखकारी

राम नाम नाम मधुबन का, भ्रमर बना, मन शिव का ।
निश दिन सिमरन करता, नाम पुण्यकारी ॥

शंकर शिव शम्भु साधु सन्तन सुखकारी ॥
निश दिन सिमरन करते, नाम पुण्यकारी ॥

लोचन त्रय अति विशाल, सोहे नव चन्द्र भाल,
रुण्ड मुण्ड व्याल माल, जटा गंग धारी ।
शंकर शिव शम्भु साधु सन्तन सुखकारी ॥

शंकर शिव शम्भु साधु सन्तन सुखकारी ॥
सतत जपत राम नाम अतिशय शुभकारी ॥

पारवती पति सुजान, प्रमथ राज वृषभ यान,
सुर नर मुनि सैव्यमान, त्रिविध ताप हारी ।
शंकर शिव शम्भु साधु सन्तन सुखकारी ॥

औघड़ दानी महान, कालकूट कियो पान,
आरत-हर तुम समान, को है त्रिपुरारी ।
शंकर शिव शम्भु साधु सन्तन सुखकारी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15279/title/shiv-shankar-shambhu-sadhu-sukhkaari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |